भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, मुख्यालय - ग्वालियर से संचालित

दैनिक पर्यटन समाचार

IITTM पर्यटन शिक्षा संस्कृति रक्षा

दिनांकः रविवार 08 अगस्त 2021 संपादकः प्रो. (डॉ.) आलोक शर्मा, निदेशक, भापयाप्रसं पृष्ठ 1

"दूसरों द्वारा की गई गलतियों से सीखो, खुद पर प्रयोग करके सीखने में उम्र कम पड़ जाएगी...!"

रविवार विशेषांक

सभी पाठकों को सादर नमस्कार!

प्रिय पाठकों, आज के रविवार विशेष अंक में हम लेकर आये हैं **अभिनेता पीयूष मिश्रा के आईआईटीटीएम ग्वालियर में गुजारे पलों की प्रमुख झलकियाँ...!!**

आपको बता दें कि पीयूष मिश्रा भारतीय फिल्म जगत का ऐसा नाम है जो समाज के हर तबके को पसंद है, बहुमुखी प्रतिभा के धनी एक भारतीय फिल्म अभिनेता / थियेटर / संगीत निर्देशक / गायक और स्क्रिप्ट राइटर भी हैं। पियूष मिश्रा का जन्म 13 जनवरी 1963 को मध्य प्रदेश के विरासतों वाले शहर ग्वालियर में हुआ था। पीयूष मिश्रा ने अपनी पढाई कार्मेल कान्वेंट स्कूल, ग्वालियर से पूरी की है। बचपन से ही पीयूष सिंगिंग, पेंटिंग और एक्टिंग में दिलचस्पी रखते थे। एक्टिंग के शौक ने उन्हें नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा पहुंचा दिया।

पियूष मिश्रा की प्रसिद्ध फिल्मों की फेहरिस्त में शामिल हैं - दिल से, मकबूल, एक दिन 24 घंटे, दीवार, झूम बराबर झूम, गुलाल, तेरे बिन लादेन, लफंगे परिंदे, लाहोर, भिन्डी बाजार, रॉकस्टार, तमाशा, हैप्पी भाग जाएगी, हैप्पी फिर भाग जाएगी, पिंक, संजू जैसी फ़िल्में जिसमे अपनी बेहतरीन अदाकारी का जलवा बिखेरा है और भी कई फ़िल्में जिनमे उनका किसी न किसी तरह से योगदान रहा है जैसे संगीत निर्देशन, गायन और स्क्रिप्ट राइटिंग।

बॉलिवुड में कुछ ही कलाकार ऐसे हैं जो फिल्मों में अदाकारी के अलावा थिएटर, डायरेक्शन, राइटिंग, म्यूजिक और सिंगिंग जैसे कई तरह की कलाओं में पारंगत हैं। उनमें से एक हैं पीयूष मिश्रा, उन्होंने अपने गीतों और अभिनय से बॉलीवुड में एक खास पहचान बनाई है। वो पूरी तरह से बेबाक हैं, लाग लपेट

संपादक मण्डल - डॉ. सौरभ दीक्षित, डॉ. चन्द्रशेखर बरूआ. समाचार संग्रह व प्रस्तुति-मयंक दुबे. डिजाइन - दीपक मित्तल

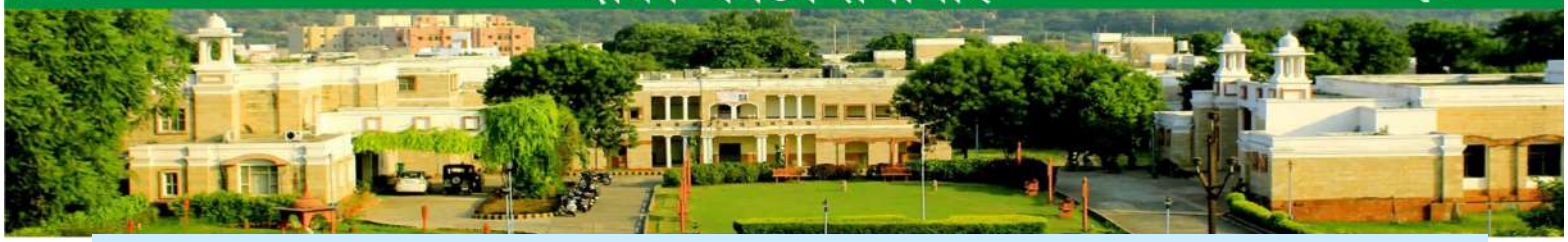

बिलकुल नहीं है, उनका मन सूफी है।

भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम) के सभागार में शनिवार, 07 अगस्त 2021 को नाट्य संस्था कला समूह की ओर से हुए नाटक "सूर्य पुत्र" के 100वें मंचन के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के अभिनेता पियूष मिश्रा का ग्वालियर आगमन हुआ। "सूर्य पुत्र" का निर्देशन हौजाई गंबा सिंह ने किया, इस दौरान आईआईटीटीएम के डायरेक्टर प्रो. (डॉ.) आलोक शर्मा, कला समूह से जुड़े रंगकर्मी केशव पांडे, संस्कार भारती मध्य प्रांत से जुड़े प्रदीप दीक्षित सहित कई रंगकर्मी, कलाप्रेमी एवं वरिष्ठजन मौजूद रहे।

ग्वालियर, रविवार, 8 अगस्त 2021

City भास्कर

4 पात्रों ने रंगमंच पर दिखाई कर्ण की महानता

'सूर्य पुत्र' का 100वां मंचन

सिटी रिपोर्टर : ग्वालियर

सूर्य पुत्र नाटक का 100वां मंचन 22 साल बाद भी उतना ही भव्य हुआ, जितना 29 अगस्त 1999 को पहली बार हुआ था। इसकी सबसे खास बात यह रही कि 4 कलाकारों में 3 वह कलाकार थे, जिन्होंने 22 साल पहले नाटक का पहला शो किया था। मंच पर 4 कलाकारों ने 16 किरदार निभाकर इसे जीवंत कर दिया। शनिवार को आईआईटीटीएम सभागार में कला समूह की ओर से हुए नाटक की खासबात यह रही कि 70 मिनट में कर्ण की कहानी बताई गई। इसका निर्देशन हौजाई गंबा सिंह ने किया। मुख्य रूप से फिल्म कलाकार पीयूष मिश्रा, आईआईटीटीएम के डायरेक्टर प्रो. आलोक शर्मा सहित कई वरिष्ठजन मौजूद रहे। संचालन अशोक आनंद ने किया।

• आईआईटीटीएम के सभागार में नाटक 'सूर्य पुत्र' का मंचन करते कलाकार।

इन कलाकारों ने निभाए ये किरदार

हौजाई गंबा सिंह ने कर्ण, सैनिक और युवराज। राघवेंद्र ने कृष्ण, द्रोणाचार्य, भीष्म पितामह, अभिरथ, इंद्रदेव और सैनिक। अमितेश शर्मा ने कर्ण का भाई, सैनिक, दुर्योधन, अर्जुन और युवराज। हुमेश मलिक ने कुंती और राधा।

आज रविवार, 08 अगस्त 2021 को अभिनेता पियूष मिश्रा ने भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम) के ग्वालियर स्थित मुख्यालय पहुंचकर कई गतिविधियों में हिस्सा लिया और संस्थान के गौरव को बढाया। संस्थान में आगमन पर निदेशक प्रो. (डॉ.) आलोक शर्मा, नोडल अधिकारी डॉ. सौरभ दीक्षित एवं अन्य वरिष्ठ फैकल्टी सदस्यों द्वारा उनका स्वागत किया गया। जिसके उपरांत निदेशक प्रो. शर्मा एवं पियूष मिश्रा के बीच थिएटर टूरिज्म और फिल्म टूरिज्म विषय को लेकर विशेष चर्चा हुई और इस दौरान पर्यटन को बढ़ावा देने में कलाकार किस प्रकार योगदान दे सकते हैं इस पर विस्तृत विचार विमर्श हुआ। इस चर्चा के दौरान मितावली के चौंसठ योगिनी मंदिर में फिल्माई गई लघु नाटिका **"चतुरान्गना"** का प्रदर्शन भी किया गया जिसमें संस्थान के निदेशक द्वारा लिखित कविता पर नृत्य किया गया है, जिसे पियूष जी द्वारा काफी सराहा गया। इस चर्चा का प्रमुख उद्देश्य ग्वालियर में थिएटर टूरिज्म की संभावनाओं को तलाशने और छात्रों को पर्यटन के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताना रहा।

थिएटर टूरिज्म और फिल्म टूरिज्म को बेहतर ढंग से समझने के लिए आईआईटीटीएम के छात्रों के लिए हाल ही में एक थिएटर क्लब का गठन किया गया है, आज के मुख्य अतिथि पियूष मिश्रा द्वारा आज आईआईटीटीएम थिएटर क्लब का उदघाटन किया गया जिसमे उन्होंने फीता काटकर संस्थान में बनाये गए थिएटर क्लब का शुभारंभ किया और क्लब में रखे वाल ऑफ़ फेम बोर्ड पर ***"आईआईटीटीएम - गजब हो यार...."*** का संदेश लिखकर छात्रों को शुभकामनायें दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। यहाँ कुछ समय बिताकर उन्होंने संस्थान में निर्मित मुक्ताकाशी रंगमंच (ओपन एयर थिएटर) का शुभारंभ किया। 50 सीटर का यह ओपन एयर थिएटर हाल ही में बनकर तैयार हुआ है। मुख्य अतिथि द्वारा संस्थान द्वारा पर्यटन क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की सराहना की गई और संस्थान में मौजूद हरियाली पूर्ण

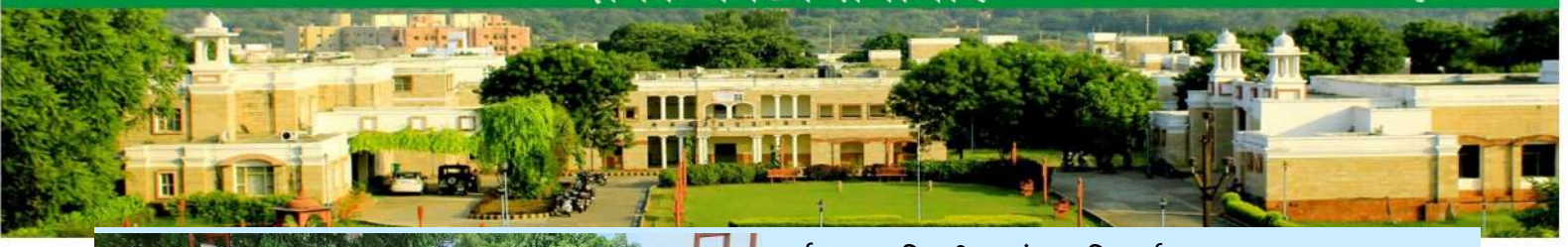

पर्यावरण की भी प्रशंसा की गई।

आज के कार्यक्रम की अगली कड़ी में मुख्य अतिथि ने संस्थान के छात्रों एवं फैकल्टी सदस्यों के साथ समय बिताया जहाँ उन्होंने सभी के सवालों को सुना और जबाब दिया। ***पर्यटन को लेकर पियूष मिश्रा ने आईआईटीटीएम द्वारा चलाये जा रहे कोर्सों की जानकारी ली और पर्यटन को कोरोना उपरांत आगामी भविष्य में बहुत बड़ा रोजगार का साधन बताया।*** छात्रों से बात करते हुए उन्होंने कहा "यदि आप सफल बनना चाहते हैं तो उसके लिए परिश्रम करना होगा। संघर्ष करना ही होगा। यदि आप शार्टकट ढूंढ रहे हैं तो निराशा हाथ लगेगी क्योंकि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता।" पीयूष मिश्रा ने बताया, 'मैंने बचपन में ही श्रीमद् भागवत गीता पढ़ ली थी। इसकी एक चीज का मुझ पर गहरा असर पड़ा - वो है, एक बार किया गया कर्म कभी खाली नहीं जाता." उन्होंने जीवन में सफलता के लिए जिद को बहुत जरुरी बताया क्यूंकि सफल होने की जिद आपको आगे बढ़ने के लिए सदैव प्रोत्साहित करती है।

पीयूष ने बताया, कि उनके गाने क्रिकेट वर्ल्ड कप, मिलिटरी के कार्यक्रमों में भी इस्तेमाल किए जाते हैं। उन्हें खुशी है कि भले ही उन्हें इस सब के लिए रॉयल्टी नहीं मिलती हो लेकिन ये गाने लोगों को पसंद आते हैं। पीयूष के मुताबिक उनका लिखा गाना 'आरंभ है प्रचंड' सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया गया है।

मुद्रा अद्यतन (##)

मुद्रा	मूल्य ₹
1 USD (US$)	74.26
1 EURO (€)	87.36
1 GBP (£)	103.03
1 JPY (¥)	0.673
1 AUD (A$)	54.62

(##) सभी आंकड़े लाइव मिड-मार्केट रेट हैं, जो उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं हैं और केवल सूचना के उद्देश्य से हैं।

आप 'दैनिक पर्यटन समाचार' में पर्यटन विषय पर अपने लेख/विचार एवं अपने बहुमूल्य सुझाव देने के लिये हमें संपर्क कर सकते हैं। ईमेल द्वारा: social@iittm.ac.in व्हाट्सएप द्वारा: +91 70427 30070

आपका दिन शुभ हो...।

@IITTMHQ @iittmhq IITTMHeadquarter

अस्वीकरण: भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, ग्वालियर मुख्यालय द्वारा प्रस्तुत 'दैनिक पर्यटन समाचार' का मूल उद्देश्य पर्यटन अकादमिक जगत को दैनिक आधार पर हो रही घटनाओं व गतिविधियों से रूबरू कराना है, चूँकि पर्यटन जगत बहुत 'गतिक' (डायनेमिक) है। इस समाचार पत्र का स्रोत आधार विभिन्न सूचना माध्यमों से प्राप्त सम्प्रेषण है। अतः इनकी पुष्टि, संस्थान व संपादन मंडल नहीं करता है। हालांकि अकादमिक हित में इसकी प्रस्तुति केवल ज्ञान उन्नयन हेतु की जाती है।